पूर्वी रेलवे के गाड़ी के साथ जाने वाले कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन

479. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दानापुर डिवीजन के मुख्यालय खगोल में 20 जून, 1968 को पूर्वी रेलवे के गाड़ी के साथ जाने वाले कर्मचारियों का एक सम्मेलन हुआ था;

(ख) क्या उपरोक्त सम्मेलन के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने दानापुर के डिवीजनल सुपरिन्टेंडेन्ट के समक्ष प्रदर्शन किया था;

(ग) यदि हाँ, तो क्या गाड़ी के साथ जाने वाले कर्मचारियों की समिति से उन्हें कोई ज्ञापन मिला है;

(घ) यदि हाँ, तो उस में उल्लिखित माँगों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ग). जी, हाँ।

(घ) और (ङ). एक विवरण सभा पटल पर रखा है जिसमें माँगों का ब्यौरा और इन माँगों के सम्बन्ध में सरकार की टिप्पणी दी गयी है। (पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या LT 13/85/68)

दानापुर, मुगलसराय तथा झाझा के संगचल कर्मचारियों द्वारा आन्दोलन

480. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत अप्रैल और मई में पूर्व रेलवे के दानापुर, मुगलसराय तथा झाझा के संगचल कर्मचारियों ने अपनी माँगों के पूर्ण न होने के कारण अपने पदों पर कार्य करने से इन्कार कर दिया था;

(ख) यदि हाँ, तो उनकी संख्या कितनी थी, उन्होंने कितने समय तक आन्दोलन किया तथा उनकी माँगें क्या थीं; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हाँ; कुछ दिनों के लिये दानापुर डिवीजन में मुख्यतः क्लीनरों ने यार्ड पायलटों में सकेन्ड फायरमैन के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने और कुछ सेकेण्ड फायरमैनों और मुख्य फायरमैनों ने ऊंचे ग्रेड में काम करने से इन्कार कर दिया था।

(ख) कर्मचारियों की ठीक-ठीक संख्या और अवधि बताना सम्भव नहीं है क्योंकि उनमें से बहुतों ने बीमार होने की सूचना भेज दी थी, छुट्टी के लिये अर्जी दे दी थी, इत्यादि।

उनकी मुख्य माँगें थीं—यार्ड पायलटों में मुख्य फायरमैनों की व्यवस्था, नियमित पदोन्नति आदेश जारी करना और ऊंचे ग्रेडों में स्थायी करना।

(ग) इनमें से जिन माँगों पर नियमों की सीमा में जो कार्रवाई की जा सकती थी, की गयी है।

Transfer of portions of N. R. Railway to North-east Frontier Railway

481. **SHRI SHIVA CHANDRA JHA:**
SHRI RAMAVATAR SHASTRI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some portions of the North Eastern Railway between Tilrath and Katihar stations are going to be transferred to the North-east Frontier Railway;

(b) if so, the specific reasons therefor;

(c) whether it is a fact that the people of Bihar have vehemently opposed this transfer to the North-east Frontier Railway zone; and

(d) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) and (b). The divisionalisation scheme of North Eastern Railway, originally scheduled for implementation from 15th August, 1968 envisaged the transfer of the West Katihar district of the North Eastern Railway to North-east Frontier Railway on operational and administrative grounds. This scheme has since been held in abeyance pending finalisation of an integrated scheme for divisionalisation of both North Eastern and North-east Frontier Railways.

(c) Several representations against the transfer of the West Katihar district of the North Eastern Railway to the North-east Frontier Railway under the proposal referred to above have been received.

(d) The divisionalisation of the two Railways will have to aim at improving the quality of service rendered by the railways, and at securing operational efficiency and economy, but representations from the public will receive due consideration while finalising the integrated scheme for divisionalisation of North Eastern and North-east Frontier Railways.

Export Targets

482. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the present annual average growth rate of export;

(b) whether Government have fixed any targets regarding the annual growth rate of exports during the Fourth Plan period;

(c) if so, what are the targets and the steps contemplated by Government to achieve them; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH): (a) The average annual rate of growth of exports from India during the Third Plan Period was 4.4 per cent; in 1966-67 there was a fall of 8.8 per cent in exports which was followed by a rise of 3.6 per cent in 1967-68.

(b) Export targets for the Fourth Plan are at present in the process of formulation.

(c) and (d). Do not arise.

Silk Mills in Bhagalpur

483. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India is not in a position to manufacture the machineries needed for setting up a silk mill in Bhagalpur (Bihar) with Japanese collaboration;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the specific machineries to be imported from Japan for the said purpose and the indigenous machineries, if any, to be used therein; and

(d) the total amount of foreign exchange likely to be spent thereon?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes, Sir.

(b) Demand for spun silk spinning machinery being limited, indigenous manufacture of such machinery has not yet been taken up.

(c) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-1386/68].

(d) Rupees sixty lakhs approximately.